रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किए जाने का मामला

कलेक्ट्रेट के सहायक पेंशन अधिकारी को चार वर्ष का कारावास

जबलपुर।

जिला अदालत ने रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किए गए संभागीय पेंशन कार्यालय, कलेक्ट्रेट परिसर, जबलपुर के सहायक पेंशन अधिकारी चैतन्य सराफ का दोष सिंह पाया। विशेष न्यायाधीश लोकायुक्त मनीष सिंह ठाकुर की अदालत ने आरोपी को चार वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 10 हजार का जुर्माना लगाया।

अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रशांत शुक्ला ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि शिकायतकर्ता रविंद्र कुमार मिश्र ने 31 अगस्त, 2021 को पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त के समक्ष लिखित शिकायत की थी। जिसमें बताय था कि वह कार्यालय विकास खंड शिक्षा अधिकारी, पाटन में सहायक ग्रेड-टू के पद पर कार्यरत है। संकुल केंद्र बालक, पाटन के शिक्षकों की सेवा पुस्तिका में सातवें वेतनमान का अनुमोदन होना था। इस कार्य के लिए जब वह आरोपित से मिला तो आरोपित उससे प्रति सेवा पुस्तिका 500 रुपये के हिसाब से कुल 19000 रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायत पर लोकयुक्त संगठन, जबलपुर द्वारा कार्यवाही करते हुए आरोपित को एक सितंबर, 2021 को संभागीय पेंशन कार्यालय जबलपुर में 19000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया।

शिकायत व साक्षी पक्षद्रोही फिर भी हुई सजा :

इस मामले में सबसे खास बात यह कि शिकायतकर्ता व साक्षी पक्षद्रोही हो गए थे। इसके बावजूद अभियोजन ने दलील दी कि प्रस्तुत साक्ष्य आरोप प्रमाणित करने काफी हैं। अदालत ने प्रस्तुत साक्ष्य से आरोप सिद्ध पाते हुए सजा सुना दी। मामले में अभियोजन की ओर से 10 व आरोपित की ओर से सात गवाहों का परीक्षण कराया गया था।

आरटीआई के तहत जानकारी नहीं देने पर ननि आयुक्त, सूचना अधिकारी को नोटिस

जबलपुर। हाईकोर्ट ने राज्य सूचना आयोग के आयुक्त, नगर निगम जबलपुर के आयुक्त, मुख्य सूचना अधिकारी ननि जबलपुर व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।पूर्व निर्देश के बावजूद आरटीआई के तहत जानकारी नहीं देने के मामले में जस्टिस विशाल मिश्रा की बेंच ने यह निर्देश दिए।जबलपुर निवासी शिवमोहन द्विवेदी की ओर से अधिवक्ता अजय रायजादा ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता ननि जबलपुर में सहायक ग्रेड के पद पर कार्यरत है। उस पर यह आरोप था कि उन्होंने आरक्षण नियम का उल्लंघन कर नोटशीट में पदों की गलत जानकारी दी जिसके चलते गलत अनुकंपा नियुक्ति दे दी गई। अप्रैल 2016 में आरोप पत्र जारी किया गया। नगर निगम ने तीन बार जांच अधिकारी बदला। याचिकाकर्ता ने आरटीआई के तहत जांच प्रतिवेदन मांगा, लेकिन ननि के सूचना अधिकारियों ने देने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने 18 नवंबर 2024 को 30 दिन के भीतर जानकारी देने कहा। इसके बाद राज्य सूचना आयोग ने ननि के अधिकारियों पर कॉस्ट की चेतावनी के साथ जानकारी देने कहा। आदेश का पालन नहीं होने पर ननि अधिकारियों के खिलाफ जांच के निर्देश भी दिए। अंततः संबंधित अधिकारियों ने यह कहते हुए जवाब दिया कि रिपोर्ट निगमायुक्त के पास है, यदि वे उपलब्ध कराएंगे तो दे देंगे। परेशान होकर याचिकाकर्ता ने दोबारा हाईकोर्ट की शरण ली।

स्वास्थ्य विभाग के संविदा कर्मियों के स्थानांतरण निरस्तगी पर रोक

मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश के जरिए स्वास्थ्य विभाग के संविदा कर्मियों के स्थानांतरण निरस्तगी पर रोक लगा दी। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने कलेक्टर जबलपुर व नेशनल हेल्थ मिशन की संचालक को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया। एक सितंबर तक का समय दिया गया । याचिकाकर्ता संविदा कर्मियों की ओर से अधिवक्ता परितोष गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि कलेक्टर ने बिना नोटिस दिए, बिना किसी सुनवाई के संविदा कर्मियों को पिछली जगह भेजने का अनुचित आदेश जारी कर दिया। स्थानांतरण निरस्त करने को लेकर एनएचएम की ओर से जो निर्देश दिए गए और कलेक्टर के द्वारा जो आदेश पारित किया गया, वह चुनौती के योग्य है। दोनों आदेशों में जिस पत्र का हवाला दिया गया है, वह ठोस नहीं था। ऐसा इसलिए क्योंकि उसमें ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्र में हो रहे स्थानांतरण पर रोक नहीं लगाई गई थी।

तेज हवाओं के बाद शाम को झमाझम बरसा पानी

जबलपुर।

मानसूनी बादलों का गरजना बरसना बदस्तूर जारी है. लम्बे अरसे बाद हर दिन बारिश दर्ज की जा रही है. सावन के महीने में कभी रिमझिम तो कभी झमाझम बारिश लगातार हो रही है. उसके बावजूद थोड़ी देर के लिये ही मौसम खुलने पर उमस बढ़ जाती है.बारिश को अभी पूरे ढाई महीने बाकी है औसत आंकड़े की आधी बरसात का कोटा पूरा हो चुका है. गुरुवार को भी सुबह से बादलों की आवाजाही बनी रही. सुबह रिमझिम बारिश के बाद शाम को अचानक घने बादल छाए और झमाझम बारिश होने लगी. इसके पहले बुधवार की देर रात तक बारिश का सिलसिला अनवरत जारी रहा.पिछले 24 घंटों के दौरान लगभग 2 इंच बारिश के बाद कुल बारिश का आंकड़ा 25 इंच पर पहुंच गया. गुरुवार की शाम तकरीबन 1 घंटे तक एक ही रफ्तार से हुई बारिश ने शाम को माहौल खुशनुमा बना दिया। मौसम कार्यालय की मानें तो राजस्थान से मणिपुर तक बनी द्रोणिका और पूर्वी उत्तरप्रदेश के ऊपर बने चक्रवात के कारण हवा के कम दबाव वाला क्षेत्र निर्मित होने से बारिश के आसार बने।

परेशान जनजीवन को मिली कुछ राहत

अगले २४ घंटों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम कार्यालय के मुताबिक कल शाम हुई बारिश 11.6 मिलीमीटर दर्ज की गई। पिछले २४ घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान २३.3 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम रिकार्ड किया गया। हवा में नमी प्रातः काल 95 प्रतिशत और सायंकाल 92 प्रतिशत दर्ज की गई। कल शाम हुई 11.6 मिली मीटर बारिश के बाद कुल वर्षा का आंकड़ा 622.8 मिली मीटर (25 इंच) पर पहुंच गया। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 35.0 और न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री दर्ज किया गया था। दक्षिण पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटे के दौरान अधिकांश स्थानों पर वर्षा या गरज चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ने की संभावना हैं. कहीं कहीं तेज वर्षा भी हो सकती है।

जेल बनी रज्जाक गैंग की गैलरी...

डिमांड पर रिमांड खत्म, बेटे-भतीजे के बाद भाई भी गया जेल

-50-50 हजार के इनामी बदमाश अब एक ही कालकोठरी में, विदेश में छिपे सरताज की तलाश में इंटरनेशनल दबिशें जारी

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर के आपराधिक इतिहास में कुख्यात रज्जाक गैंग पर पुलिस का शिकंजा दिनों-दिन कसता जा रहा है। कभी शहर में खौफ का पर्याय रहे इस गिरोह के एक-एक सदस्य अब सलाखों के पीछे पहुंचते जा रहे हैं। गैंग का सरगना अब्दुल रज्जाक तो पहले से ही जेल में बंद है, लेकिन अब उसका बेटा, भतीजे और भाई भी जेल की कठोर जिंदगी भुगत रहे हैं। गुरुवार को ओमती पुलिस ने पेंच से पकड़े गए मेहमूद को रिमांड खत्म होने पर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे केंद्रीय जेल भेज दिया गया। भाई महमूद, बेटा सरफराज भतीजे अजहर और सज्जाद इन चारों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। चारों की गिरफ्तारी के बाद से जबलपुर सेंट्रल जेल अब पहलवान गैंग की गैलरी में तब्दील हो गई है।

हरिभूमि फॉलोअप

जेल में बरती जा रही सतर्कता-

पुलिस सूत्रों के अनुसार, जेल में एक साथ इतने बड़े अपराधियों के पहुंचने के बाद सतर्कता चरम पर है। जेल प्रशासन ने इन बदमाशों पर 24 घंटे निगरानी शुरू कर दी है, ताकि भीतर से गैंग की कोई हरकत दोबारा न शुरू हो सके।

टूट चुकी पहलवान गैंग की रीढ़-

गौरतलब है कि हाल ही में पुलिस ने सिवनी से रज्जाक के करीबियों को फिल्मी अंदाज में शादी समारोह से गिरफ्तार किया था। सरफराज, अजहर और सज्जाद की गिरफ्तारी के बाद अब महमूद की भी गिरफ्तारी से यह स्पष्ट हो गया है कि पहलवान गैंग की रीढ़ टूट चुकी है।

टर्की में छिपे सरताज पर नजर-

अब पुलिस की नजर है विदेश में बैठे सरगना सरताज पर, जो टर्की में छिपा बताया जा रहा है। इंटरनेशनल स्तर पर उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया चल रही है।इस बीच, पूछताछ में यह भी खुलासा हुआ है कि गिरोह शहर में वसूली, जमीन पर कब्जे और नशे के कारोबार में सक्रिय था। सुप्रा डायग्नॉस्टिक, जो रज्जाक के बड़े भाई की फर्म है, वहां की गई छापेमारी में कई दस्तावेज जब्त कर उसे सील किया जा चुका है।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

3 कारों मे ढुल रही थी अवैध शराब

हरिभूमि जबलपुर.

आबकारी विभाग द्वारा तीन चार पहिया वाहन में धुल रही आगे शराब को जप्त कर बड़ी कार्रवाई की है.आबकारी आयुक्त के आदेशानुसार मदिरा के अवैध निर्माण, विक्रय, संग्रहण एवं परिवहन पर विशेष सतर्कता एवं कठोरता से प्रभावी अंकुश लगाये जाने के मद्देनजर जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त संजीव कुमार दुबे जबलपुर के मार्गदर्शन में एवं डिप्टी कंट्रोलर रवि शंकर मरावी के नेतृत्व में अवैध मदिरा के परिवहन की सूचना पर राजुल पार्क तिलहरी थाना गोरा बाजार से तीन चार पहिया वाहन मे रखी कुल 216.75 बल्क लीटर मदिरा बरामद कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधन 2000 की धारा 34(1) क एवं 34 (2) के तहत तीन प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। 1.प्रथम प्रकरण के अंतर्गत एक सफेद रंग की मारुति सुजुकी रिट्ज वाहन क्रमांक MP-20-CC-8899 में राखी 94 बोतल विदेशी मदिरा एवं 100 पाव देसी मदिरा मसाला कुल 88.5 बल्ब लीटर मदिरा बरामद की गई। 2. द्वितीय प्रकरण के अंतर्गत एक सिलेटी रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट कार बिना नंबर की जिसका चेचिस नंबर MAJAXXMRKAHB60803 में 72 बोतल विदेशी मदिरा एवं 100 पाव देसी मदिरा मसाला कुल मात्रा 72 बल्क लीटर मदिरा बरामद की गई। 3. तीसरी प्रकरण के अंतर्गत एक सफेद रंग की टाटा जेस्ट कार वाहन क्रमांक MP-20-TA-1079 में राखी 39 बोतल विदेशी मदिरा एवं एवं 150 पाव देसी मदिरा मसाला कल 56.25 बल्क लीटर मदिरा बरामद की गई। तीनों प्रकरणों में बरामद मदिरा का मूल्य लगभग 5 लाख रुपए एवं एवं वाहनों का मूल लगभग 20 लाख रुपए अर्थात 25 लाख रुपए के वाहन एवं मदिरा बरामद की गई। आरोपियों के विरुद्ध म. प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क व 34(2) के तीन प्रकरण दर्ज किये गये।

216.75 बल्क लीटर अवैध मदिरा को किया जब्त

आबकारी सहायक आयुक्त की सक्रियता

बताया जाता है कि पूरे मामले में आबकारी सहायक आयुक्त संजीव कुमार दुबे की सक्रियता देखने को मिल रही है, आबकारी विभाग द्वारा लगातार की जा रही देसी एवं विदेशी मदिरा के अवैध संग्रहण, परिवहन पर दबिश देकर लगातार कार्रवाई की जा रही है, विभाग की इस कार्रवाई से अवैध शराब माफिया में हड़कंप देखा जा रहा है.

फर्जी चालानों से करोड़ों की टैक्स चोरी का खुलासा

-12 फर्मों ने जीएसटी क्रेडिट में किया बड़ा घोटाला, सीजीएसटी की कार्रवाई से मचा हड़कंप

हरिभूमि, जबलपुर।

टैक्स चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) विभाग जबलपुर द्वारा एक बड़ा घोटाला उजागर किया गया है। आयुक्त लोकेश कुमार लिलहरे के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई में बिना किसी वास्तविक माल के आवागमन के फर्जी चालान जारी कर करोड़ों रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का गलत लाभ लेने वाले 12 से अधिक फर्मों का खुलासा हुआ है।

आईटीसी का किया दुरुपयोग-

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि इन फर्मों ने फर्जी बिलिंग के जरिए आईटीसी का दुरुपयोग कर न केवल सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया, बल्कि इसे अन्य लाभार्थियों को भी ट्रांसफर किया।

यह कंपनियों में हुआ घालमेल

मेसर्स आयुष एज़ेड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशन्स, मेसर्स आनंद सेल्स, मेसर्स मास्क पावर टूल्स और मेसर्स ट्रेडिंग इंडिया टेक्नो प्रा. लि., जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू हो गई है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र तक जुड़े तार

डिप्टी कमिश्नर मुकेश कक्कड़ के नेतृत्व में गठित संयुक्त जांच टीम ने कई जगह छापेमारी कर कंप्यूटर, दस्तावेज और डिजिटल डेटा जब्त किया है। छानबीन में यह भी सामने आया है कि यह फर्जीवाड़ा केवल जबलपुर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार राजस्थान, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र तक जुड़े हुए हैं।

बड़े नाम हो सकते हैं उजागर

गिरोह के मास्टरमाइंड की पहचान कर ली गई है और उससे पूछताछ की जा रही है। आने वाले दिनों में और भी बड़े नाम सामने आने की संभावना है।

कुख्यात बदमाश मान्या सुर्वे हथियारों के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार

-धनवंतरी नगर पुलिस की घेराबंदी में पकड़ा गया साथी विक्रम बाल्मीक भी, तलवार व कसईया चाकू जब्त

हरिभूमि, जबलपुर।

शहर के कुख्यात बदमाशों में शुमार सागर बाल्मीक उर्फ मान्या सुर्वे आखिरकार पुलिस की पकड़ में आ गया। उसके साथ मौजूद साथी विक्रम बाल्मीक को भी पुलिस ने दबोच लिया। दोनों के पास से एक तलवार और कसईया चाकू बरामद किए गए। दोनों एक बड़ी वारदात की फिराक में थे लेकिन संजीवनी नगर पुलिस ने समय रहते उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। चौकी प्रभारी एसआई दिनेश गौतम को सूचना मिली कि अंधुआ रेलवे अंडरब्रिज के पास दो युवक हथियारों के साथ खड़े हैं। सूचना मिलते ही टीम के साथ दबिश दी गई और घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को धर दबोचा गया। गिरफ्तार सागर बाल्मीक पर मारपीट, दुराचार, आर्म्स एक्ट समेत 15 आपराधिक प्रकरण पहले से दर्ज हैं।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में एएसआई हृदय नारायण पाण्डेय, हवलदार दिलीप पाठक, राजेश तिवारी और सिपाही रजनीश की सराहनीय भूमिका रही।

क्राइम मीटिंग में पुलिस कप्तान के अधीनस्थों को सख्त निर्देश, संवेदनशीलता से आए पेश और लंबित मामलों का करें शीघ्र समाधान

फरियादी को मिले सम्मान, फरार को मिले सलाखें: पुलिस कप्तान

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और राहवीर योजना को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर दिया विशेष जोर

हरिभूमि, जबलपुर।

जिले में बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण और न्याय की गति को तेज़ करने के उद्देश्य से पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने शुक्रवार दोपहर अपराध समीक्षा बैठक की। कप्तान ने बैठक में अधीनस्थों को दो टूक हिदायत देते हुए कहा कि थाने पहुंचने वाले फरियादी से सम्मान से मिलकर उनकी शिकायत का त्वरित निराकरण करें और जो लंबे समय से फरार है उनकी खोजबीन कर गिरफ्तारी सुनिश्चित कर उनको जेल भेजा जाए। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित इस बैठक में एएसपी सिटी आनंद कलादगी, अंजना तिवारी, सूर्यकांत शर्मा, पल्लवी शुक्ला, कंट्रोल रूम प्रभारी सतीश झारिया सहित सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना व चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

फरार आरोपियों व वारंटियों को दबोचे-

बैठक में वर्षवार आंकड़ों और त्रिवार्षिक तुलना के आधार पर गंभीर अपराधों जैसे हत्या, लूट, झपटमारी, महिला अपराध, एससी-एसटी एक्ट और धोखाधड़ी से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। कप्तान उपाध्याय ने फरार आरोपियों व वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए जिले से बाहर विशेष टीम भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधियों पर इनाम घोषित कर पहचान उजागर करते हुए जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए।

संवेदनशील व्यवहार के साथ त्वरित निराकरण-

बैठक में शिकायतकर्ताओं के साथ संवेदनशील व्यवहार और उनकी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। कप्तान उपाध्याय ने थाना प्रभारियों से कहा कि वे सीएम हेल्पलाइन व जनसुनवाई के मामलों का शीघ्र निपटारा करें ताकि जनता का विश्वास कायम रहे।

शराबी चालकों के लायसेंस करो निरस्त

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्यवाही करने को कहा गया। प्रमुख चौराहों पर ब्रीथ एनालाइजर से चेकिंग, स्टॉपर लगाकर नियमानुसार लाइसेंस निरस्तीकरण की प्रक्रिया अपनाने के आदेश दिए गए।

राहवीर योजना का करो प्रचार प्रसार

बैठक का एक अहम बिंदु राहवीर योजना भी रहा। कप्तान उपाध्याय ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर (पहले एक घंटे) में अस्पताल पहुंचाने वाले को 25 हजार की प्रोत्साहन राशि व प्रमाणपत्र दिया जाएगा। ऐसे 10 राहवीरों को राष्ट्रीय स्तर पर 1 लाख तक का पुरस्कार भी मिलेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि इस योजना का प्रचार-प्रसार अधिक से अधिक माध्यमों से किया जाए ताकि आमजन में मदद करने की भावना प्रबल हो।

जबलपुर पुलिस की प्रेरणादायक साइकिल रैली ने शहर को दिया नशामुक्ति का संदेश, जागरूकता रथ को भी किया रवाना

नशा व्यक्ति नहीं, पूरे समाज को करता है खोखला : पुलिस कप्तान उपाध्याय

हरिभूमि, जबलपुर।

नशा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र को खोखला करता है। जब युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में आती है, तो वह सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, बल्कि राष्ट्रीय क्षति होती है। यह कहना है पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय का, जिन्होंने बुधवार को नशे से दूरी, है जरूरी अभियान के अंतर्गत साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और स्वयं नशा मुक्ति की शपथ भी ली।

15 दिवसीय चलेगा अभियान-

प्रदेशभर में 15 से 30 जुलाई तक चल रहे इस अभियान का उद्देश्य जनमानस को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना और युवाओं को इससे दूर रखना है। यह अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के निर्देश पर चलाया जा रहा है।

जब अधिकारियों ने खुद संभाली साइकिल-

साइकिल रैली में एएसपी सिटी आनंद कलादगी, एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा, एएसपी यातायात पल्लवी शुक्ला समेत समस्त सीएसपी, थाना व चौकी प्रभारी तथा करीब 70 पुलिसकर्मी खुद साइकिल चलाकर शामिल हुए। रैली ने शहर के प्रमुख स्थलों मालगोदाम चौक, हाईकोर्ट चौक, घंटाघर, बड़ी ओमती, रानीताल, शिवाजी चौक, मदन महल, भंवरताल, इनकम टैक्स चौक आदि से होते हुए पुनः पुलिस अधीक्षक कार्यालय में समापन लिया।

रैली के दौरान गूंजते रहे नारे-

हमारा है यही संदेश, नशा मुक्त हो मध्य प्रदेश जिन्होंने पूरे शहर को प्रेरित किया। इसके उपरांत कप्तान उपाध्याय ने नशे से दूरी, है जरूरी संदेश से सुसज्जित जागरूकता रथ को रवाना किया, जो शहर में भ्रमण कर जन-जागरूकता फैलाएगा।

पूर्व महापौर पं. विश्वनाथ दुबे का 86वाँ जन्म उत्सव मूर्ति स्थल नेहरू गार्डन में मनाया गया

जबलपुर।

कर्मयोगी, निष्कलंक, निष्छल, निराभिमानी और निष्ठावान जनसेवी पं. विश्वनाथ दुबे की 86वीं जयंती नेहरू उद्यान में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सभी वक्ताओं ने कहा कि पं. विश्वनाथ दुबे का जीवन इस प्रकार था, जीवन में कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनका स्वभाव उस बगीचे जैसा होता है जो खुद तो खुशबू फैलाते हैं पर साथ ही जो भी उनके सम्पर्क में आता है उनके आदर्श, विचार और संयमित जीवन रूपी खुशबू से मंत्रमुग्ध हो जाता है। कुछ ऐसा ही स्वभाव था पं. विश्वनाथ दुबे का। महापौर रहते हुए उनके कार्यकाल में किये गये कार्य गुणवत्ता के लिए सदैव याद किये जाते रहेंगे। इन्हीं सत्य कर्मों के कारण उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में इतिहास में सदैव अंकित किया जाता रहेगा। आज के कार्यक्रम में फीनिक्स ग्रुप के चेयरमेन विश्वनाथ दुबे के दामाद सुमित कालिया, बेटी गौरा, भतीजे शेखर दुबे-श्रीमती शशि दुबे एवं डॉ. शशांक दुबे के साथ ही विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव, आलोक मिश्रा, नगर महिला अध्यक्ष श्रीमती कमलेश अग्रवाल, वरिष्ठ नेता मदन तिवारी, मुकेश राठौर, राममूर्ति मिश्रा, विजय काण्डा, राजेन्द्र चैधरी, सेवादल अध्यक्ष सतीश तिवारी, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष विजय रजक, बाबा रिज़वान, चिंटू चौकसे, झल्लेलाल जैन, रूपलाल यादव, शिव यादव, तेजकुमार भगत, लक्ष्मी बेन, पं. राधेश्याम चैबे, भगतराम सिंह, देवेन्द्र सरीन, उन्मेद सिंह ठाकुर, आनंद साहू, मोनू अग्रवाल, तरूण दुबे, मदन लारिया, विवेक अवस्थी, पं. अतुल बाजपेई, रम्बल विश्वकर्मा, पं. लोकेश ब्यास, श्रीमती अनुभा शर्मा एवं श्रीमती दुर्गा परौहा, रीतेश तिवारी, सुमित यादव सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे। उपरोक्त जयंती समारोह में पं. विश्वनाथ दुबे की आत्मीयता के कारण अन्य राजनीतिक पार्टियों के नेतागण, समाज सेवी, उद्योगपति एवं प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

6वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल में लगाया गया निःशुल्क नेत्र शिविर

जबलपुर। 6वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल जबलपुर और दादा वीरेंद्रपुरी नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय) के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क नेत्र शिविर 17 जुलाई 2025 को वाहिनी के सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया। शिविर का शुभारम्भ कमांडेंट सिद्धार्थ चौधरी (आईपीएस) और डॉ. पवन स्थापक द्वारा दीप प्रज्जवलन कर हुआ।

शिविर में मोतियाबिंद, कांचियाबिंद, रेटिना, स्क्विंट सहित आँखों से सम्बंधित समस्त रोगों की निःशुल्क जांच के गई। शिविर में लगभग 241 मरीजों की जांच की गयी जिसमें से 13 मरीज मोतियाबिंद और दो मरीज नाखूना से ग्रसित पाए गए एवं 80 मरीजों के चश्मे के नंबर की जांच की गयी। चिन्हित मरीजों को देवजी नेत्रालय ले जाया गया, जहाँ उनका निःशुल्क नेत्र ऑपरेशन किया जायेगा। ज्ञात हो की पिछले आठ वर्षों में देवजी नेत्रालय में अब तक ढाई लाख से ऊपर निःशुल्क ऑपरेशन किये जा चुके हैं।

शिविर में अपना विशेष योगदान प्रदान करने वाले विशेषज्ञों में देवजी नेत्रालय से डॉ. पवन स्थापक, डॉ. अर्पिता स्थापक, डॉ. अपूर्वा स्थापक, डॉ. प्रिया जैन एवं सहायक स्टाफ, वहीं वाहिनी से डिप्टी कमांडेंट अभिषेक राजन, डिप्टी कमांडेंट लामू सिंह श्याम, असिस्टेंट कमांडेंट एम.पी. सिंह, एडजुटेंट सुबोध लोखंडे, असिस्टेंट कमांडेंट रीना पाण्डेय शर्मा और असिस्टेंट कमांडेंट विजय कुमार अम्बोरे उपस्थित थे।

म.प्र. पू.क्षे.वि.वि. कंपनी की 1912 क्विक डेस्क हेल्पलाइन' से प्रीमियम उपभोक्ताओं को मिल रही त्वरित व गुणवत्तापूर्ण सेवा

जबलपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा प्रीमियम उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु शुरू की गई '1912 क्विक डेस्क हेल्पलाइन' त्वरित और प्रभावी सेवा के रूप में सामने आई है। 10 किलोवाट या अधिक भार वाले LT HV और सभी HT उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने वाली इस सेवा के अंतर्गत शिकायतें सीधे कार्यपालन अभियंता को भेजी जाती हैं। समाधान में देरी होने पर अधीक्षण अभियंता स्वयं संज्ञान लेते हैं। अब तक LT HV श्रेणी में 98.4% व HT श्रेणी में 97.8% शिकायतों का सफल समाधान किया गया है। उपभोक्ताओं द्वारा फीडबैक के माध्यम से सेवा की त्वरिता और गुणवत्ता की सराहना की गई है। यह पहल उपभोक्ता-केंद्रित, पारदर्शी और उत्तरदायी प्रशासन की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इकिगाई किड्स इंटरनेशनल प्री स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया फाउंडर्स डे

जबलपुर। इकिगाई किड्स इंटरनेशनल प्री स्कूल में 17 जुलाई को फाउंडर्स डे बहुत ही खुशियों और उमंग के साथ मनाया गया। यह दिन स्कूल की स्थापना और उसके मूल्यों को समर्पित रहा, जहाँ शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी को भी बढ़ावा दिया जाता है। इस खास मौके पर बच्चों के लिए कई मज़ेदार गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जैसे टैटू कॉर्नर, झूलों की मस्ती, फन गेम्स और क्रिएटिव आर्ट एक्टिविटीज। बच्चों ने स्वादिष्ट सैक्स का आनंद भी लिया।कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि स्कूल की संस्थापक श्रीमती अर्पिता मालपानी द्वारा ज़रूरतमंद बच्चों की मदद के लिए मात्र छाया संस्था को एक कॉट, दूध का पाउडर और डायपर्स भेंट किए गए। यह छोटा सा प्रयास स्कूल की उस सोच को दर्शाता है जिसमें शिक्षा के साथ-साथ समाज के प्रति संवेदनशीलता भी जरूरी मानी जाती है। पूरा स्कूल परिवार बच्चे, अभिभावक और शिक्षक इस दिन का हिस्सा बने और ढेर सारी यादें साथ लेकर गए। इस खास दिन की तस्वीरें स्कूल के सोशल मीडिया और न्यूज़लेटर में साझा की जाएंगी। इकिगाई किड्स इंटरनेशनल प्री-स्कूल हमेशा बच्चों के समग्र विकास और समाज के लिए सकारात्मक योगदान देने की दिशा में अग्रसर है।

साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरे पर खिली मुस्कान

बरेला। मध्य प्रदेश शासन की निः शुल्क साइकिल योजना वितरण समारोह के साथ शाला की वार्षिक पत्रिका विमोचन, प्रतिभा सम्मान समारोह पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हाल में आयोजित किया गया यह अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र से अध्यापन के लिए आने वाली 50 छात्राओं को कार्यक्रम में निशुल्क साइकिलों का वितरण समारोह के मुख्य अतिथि सुशील तिवारी इंदू विधायक पनागर, प्रतीक दुबे नगर परिषद अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष अर्पित जैन मंडल अध्यक्ष,घनश्याम सोनी डी ई ओ, योगेश शर्मा डी पी सी,केशव दुबे बी आर सी ग्रामीण, प्राचार्य आशीष पंड्या जी की उपस्थिति की में वार्षिकशाला पत्रिका का विमोचन के बाद, लैपटॉप एवं स्कूटी प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कार प्रमाण पत्र से प्रतिभा सम्मान का कार्यक्रम संपन्न हुआ इस अवसर पर नगर परिषद के पार्षद, गणमान्य नागरिक, पालक अभिभावक एवं समस्तशाला परिवार के शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

अभा कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन जोधपुर राजस्थान में चमन श्रीवास्तव की कृति 'कायस्थ राजवंश' का हुआ विमोचन

जबलपुर। "कायस्थ राजवंश कायस्थ समाज के गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास की एक अमिट धरोहर के रूप में समाज के समक्ष परिलक्षित होगी। इससे आने वाली पीढ़ियां अपने गौरवशाली अतीत के बारे में जानकर अपने आपको धन्य महसूस करेंगी। कायस्थ राजवंश कायस्थ समाज के दर्पण के रूप में हम सभी के समक्ष प्रस्तुत है, जिसमें लेखक चमन श्रीवास्तव ने जहां स्वर्णिम इतिहास का बखूबी समावेश किया है, वहीं अपनी भावनाओं को भी उनसे जोड़कर अभिव्यक्त किया है। जिसके लिये वे बधाई के पात्र हैं।" उक्त आशय के उदगार अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कायस्थ राजवंश कृति के विमोचन अवसर पर व्यक्त किये। उल्लेखनीय है कि जोधपुर राजस्थान में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय सेमिनार में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुये राष्ट्रीय सेमिनार में अपनी कृति "कायस्थ राजवंश" का विमोचन कराया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. मुकेश श्रीवास्तव एवं रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, राष्ट्रीय महामंत्री विश्वमोहन कुलश्रेष्ठ, राष्ट्रीय कार्यवाहक मंत्री रत्नेश श्रीवास्तव, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष ऋषि माथुर, अध्यक्ष प्रदेश महिला अध्यक्ष डॉ. रेनू श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष एड. भानू श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

रांझी गुरुद्वारा में की गई पवित्र निशान साहिब के चोले की सेवा

जबलपुर। पंजाब एजुकेशन सोसायटी एवं रांझी गुरुद्वारा के द्वारा साहिब गुरु हरकिशन साहिब के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में रांझी गुरुद्वारा में पवित्र पावन निशान साहिब के चोले की सेवा की गई। इसी क्रम में अखण्ड पाठ साहिब का शुभारंभ किया गया जिसका समापन 19 जुलाई को गुरुपर्व में कीर्तन दरबार, भारत देश की अखण्डता एवं समस्त विद्यार्थियों की सफलता एवं शिक्षकों, स्टॉफ, मैनेजमेंट की सफलता के लिए सर्वत्र भले की अरदास के साथ किया जाएगा। आज के आयोजन में पंजाब एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष कमलजीत सिंह जग्गी, अमरजीत सिंह अलग, दमनीत सिंह प्रिंस भसीन, कवलजीत सिंह सचदेवा, राजू भमरा, बिल्लू जॉली, गुरुसिंह सभा की ओर से प्रधान सतपाल सिंह संधू, जगजीत सिंह दुआ, गुरदीप सिंह नाग, तजिन्दर पाल सिंह, बब्बू सरना, दिलीप सिंह जगदेव, जीत सिंह वासन सहित पंजाब एजुकेशन सोसायटी की प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

CHANGE OF NAME & DOB

I, SUSHILA PARIDA is legally Mother of Army No 14673671A Rank- HAV Name SANJIT KUMAR PARIDA UNIT ASRI Jabalpur, HQ MB Area Home Address VILL- AMBABAREI POST-GANDARPUR DIST-CUTTACK STATE-ODISHA PIN- 754005. I have Changed my name SUSILA PARIDA to SUSHILA PARIDA and date of birth 01/07/1959 to 08/01/1952 vide Affidavit before Notary, Jabalpur M.P

INCORRECT NAME
SUSILA PARIDA
INCORRECT DOB- 01/07/1959
CORRECT NAME
SUSHILA PARIDA
CORRECT DOB - 08/01/1952

श्री बैजनाथ मलिक- आदर्श नगर नर्मदा रोड निवासी श्री बैजनाथ मलिक (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हरिहर प्रसाद सिंह- संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री हरिहर प्रसाद सिंह (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्ति धाम में संपन्न हुआ।

श्री पप्पू जाटव- बेदीनगर शारदा चौक निवासी श्री पप्पू यादव (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री पी स्वामी- सुहागी अधारताल निवासी श्री पी स्वामी (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री मुरलीधर गुप्ता- गणेश नगर कछपुरा निवासी श्री मुरलीधर गुप्ता (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री नवीन आग्रे- गली 17, शांतिनगर दमोहनाका निवासी श्री नवीन आग्रे (51) का निधन हो गया अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती रेखा बेन- चांदमारी तलैया लालमाटी निवासी श्री शंकर लाल बेन की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा बेन (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मुल्ला बाई बेन- भानतलैया चौधरी मोहल्ला निवासी श्री चूरामन बेन की धर्मपत्नी श्रीमती मुल्ला बाई बेन (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री राजेश जाटव- कांचघर चौक के निकट निवासी श्री शंकर लाल जाटव के पुत्र श्री राजेश जाटव (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री स्वराज चंद्र अग्रवाल- वीरन साहू की गली मिलौनीगंज निवासी श्री स्वराज चंद्र अग्रवाल (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती ताराबाई कोष्टा- फूटाताल दुर्गा चौक निवासी श्री प्रीतम लाल कोस्टा की धर्मपत्नी श्रीमती तारा बाई कोष्टा (76) का निधन हो गया अंतिम संस्कार करियापाथर मोक्षधाम मैं किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

बहोरीबंद का भूता तालाब पर्यटन की दृष्टि से होगा विकसित

जबलपुर। बहोरीबंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कूडन मे स्थित भूता तालाब पर्यटन की दृष्टि से विकसित होगा जिसके लिए गुरुवार को विधायक प्रणय पांडेय ने भूता टेंक के प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष लोकेश ब्यौहार, उपयंत्री एल एन तिवारी सहित जनप्रतिनिधि व कर्मचारी उपस्थित रहे। बतलाया गया कि भूता टैंक अपनी प्राकृतिक सुंदरता के चलते दर्शनीय स्थानों में शुमार है!जहाँ पर हर जगह से लोग घूमने एवं पिकनिक के लिये आना होता है।

विधायक प्रणय पांडेय ने बतलाया कि भूता टैंक के पास 1 करोड़ 10 लाख रु की लागत से रेस्ट हॉउस बनेगा एवं 1 करोड़ 50 लाख रु की लागत राशि पर्यटन विभाग रेस्टोरेंट व रेस्ट हॉउस के आस पास के एरिया को गार्डन के रूप में विकसित करने खर्च की जाएगी जिससे टूरिज़्म को भी बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है भूता टेंक को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने विधायक प्रणय पांडेय ने कलेक्टर को मांग पत्र दिया था जिस पर तत्कालीन कलेक्टर अविप्रसाद द्वारा जल संसाधन विभाग के माध्यम से सिंचाई परियोजना अंतर्गत भूता तालाब में पर्यटन की सुविधाओं के विकास एवं विस्तार हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए मप्र पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक को पत्र लिखा है। जल संसाधन विभाग के उपयंत्री एल एन तिवारी ने बताया कि भूता तालाब का कैचमेंट एरिया 108.76 वर्ग किलोमीटर हे तथा इस तालाब के माध्यम से 6475 हैक्टेयर भूमि को सिंचित किया जा रहा है जिसमें 4 हजार हैक्टेयर सिंचाई रबी सीजन मै ओर 2500 हैक्टेयर सिंचाई खरीफ सीजन मै होती है।

CHANGE OF NAME

I, ARMY No. 15418301M, RANK- HAV, NAME TAWARE RAHUL BALASAHEB S/O HALASAHEB GULAB TAWARE OF UNIT MH, JABALPUR(M.P.), R/O GHAVAL VASTI MOREGAON PUNE MAHARASHTRA 412304 solemnly declare and affirm on oath under, I am presently residing at the above mentioned address. My Son's, Birth Certificate and Aaadhar card my son Name (TAWARE SAIRAJ RAHUL.) which is true and correct but in my Army service Record my Son Name is recorded (SAIRAJ RAHUL TAWARE) Which is incorrect. True and correct Name of my son name is (TAWARE SAIRAJ RAHUL) and same Name shall be corrected in my Army service Record. The above variation Name of my Son this affidavit is being furnished.

CORRECT NAME
(TAWARE SAIRAJ RAHUL)
INCORRECT NAME
(SAIRAJ RAHUL TAWARE)

सरनेम संशोधन सूचना

मैं आदित्य मूलचंदानी आत्मज श्री राजेश मूलचंदानी यह सूचित करता कि मेरे पासपोर्ट नंबर S4611494 में मेरे पिता का नाम RAJESH KUMAR एवं मेरी कक्षा 10 वीं की अंकसूची में सरनेम की स्पेलिंग MOOLCHANDANI लिखी है, जो कि गलत है। मेरे पिता का सही नाम RAJESH MULCHANDANI है एवं हमारे सरनेम की सही स्पेलिंग MULCHANDANI है जो कि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड, मतदाता परिचय पत्र आदि में दर्ज है। अत: मेरे नाम को ADYIYTA MULCHANDANI S/O RAJESH MULCHANDANI ही पढ़ा लिखा एवं समझा जावें।

गलत नाम
ADIYTA MOOLCHANDANI
S/O RAJESH KUMAR
सही नाम
ADIYTA MULCHANDANI
S/O RAJESH MULCHANDANI

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी
सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर
पत्रांक-स.क्र. 11/2025-26/ दिनांक 17/07/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दिनेश यादव पिता श्री राजपत यादव ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम पं. जवाहर लाल नेहरू के भवन क्रमांक 1409 बचऊ का बाडा सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000428703 पर निर्मित भूतल 240 वर्गफुट RCC, प्रथम तल 120 वर्गफुट RCC विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री सुखइराम पिता श्री जटाशंकर पिता श्री रामखिलावन का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगरनिगम, जबलपुर मेंप्रमाणं सहित आपत्तिप्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं.11
नगर निगम, जबलपुर

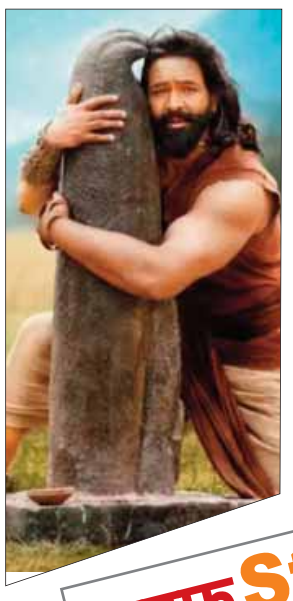

राष्ट्रपति भवन में हुई कन्नप्पा की स्पेशल स्क्रीनिंग

मुंबई। फिल्म कन्नप्पा के निर्माताओं ने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म कन्नप्पा को लेकर एक खास जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि फिल्म कन्नप्पा की स्पेशल स्क्रीनिंग राष्ट्रपति भवन में रखी गई। इसके साथ ही निर्माताओं ने एक खास नोट भी शेयर किया। हमें गर्व है कि कन्नप्पा की विशेष स्क्रीनिंग राष्ट्रपति भवन में हुई। यह फिल्म की भक्ति और सांस्कृतिक कहानी को सम्मान देता है। हर हर महादेव। हर घर महादेव। विष्णु मांचू ने फिल्म में थिन्नाडु नामक योद्धा का किरदार निभाया है, जो भक्त कन्नप्पा बनता है। अक्षय कुमार भगवान शिव की भूमिका में हैं, प्रभास रुद्र के रूप में नजर आए।

लाइफ Style

मानुषी

सपने जैसा लगता है मेहनत को सफल होते देखना

मानुषी छिल्लर की फिल्म मालिक हाल ही में रिलीज हुई है। 6 दिनों में इस फिल्म ने लगभग 19 करोड़ रुपए से भी अधिक का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। मालिक मानुषी के कॅरियर के लिए काफी अहम फिल्म है।

एजेंसी ⏭ मुंबई

मानुषी ने कहा कि सच कहूं तो सबसे ज्यादा वो जर्नी याद आती है, जब हम सबने अपना दिल, मेहनत और पूरी लगन से काम किया था। डायरेक्टर से लेकर कास्ट और प्रोड्यूसर तक, सबका एक साफ और मजबूत विजन था। उस मेहनत को सफल होते देखना सपने जैसा लगता है। यह मेरे कॅरियर का पहला ऐसा मौका था जब मुझे अपनी परफॉर्मेंस के लिए इतनी सराहना मिली। बतौर एक्टर, जब लोग आपके काम को नोटिस करें, तो वो बहुत ही अच्छा लगता है। हर किसी का देखने का नजरिया अलग होता है। मुझे खुशी है कि थिएटर में आई पब्लिक ने पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया। हां, क्रिटिक्स के रिव्यूज जरूर मिक्स्ड रहे, लेकिन वो भी जरूरी हैं। एक्टर के तौर पर मेरा काम है ईमानदारी से किरदार निभाना और अगर वो लोगों तक पहुंचा, तो मेरे लिए वही सबसे बड़ी जीत है। खास बात ये रही कि स्क्रीनिंग के बाद खुद इंडस्ट्री के कुछ लोगों ने कॉल कर के कहा कि उन्होंने मेरा काम एंजॉय किया। ये मेरे लिए बहुत स्पेशल था। कहीं न कहीं मुझे लगा, चलो, मेहनत दिखी। अब नजरिया बदला है। 'पृथ्वीराज' के वक्त लोगों ने कहा था कि ये मेरी पहली फिल्म जैसी नहीं लग रही।

हॉलीवुड मसाला

प्रियंका-निक ने बनाई वीडियो...

लॉस एंजिल्स। निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा अपने नए रोमांटिक वेकेशन से इंटरनेट पर छाए हुए हैं। निक ने इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी के साथ एक खूबसूरत बीच वेकेशन का एक बेहतरीन वीडियो शेयर किया है। फैन्स इस जोड़ी की दिलकश केमिस्ट्री को देख कर वीडियो पर कमेंट कर रहे हैं। जोनस ब्रदर्स के गाने 'आई कांट लूज़' पर आधारित इस वीडियो के साथ निक ने कैप्शन दिया है, 'मैं गर्मी को ऐसे ही नहीं जाने दे सकता।' निक की वीडियो की शुरुआत निक के बीच पर उदास दिखने से होती है।

बॉक्स ऑफिस पर राज कर रहा सुपरमैन...

मुंबई। सिनेमाघरों में चल रही फिल्मों में बॉलीवुड फिल्मों से ज्यादा दर्शक हॉलीवुड फिल्मों को मिल रहे हैं। पिछले हफ्ते रिलीज हुईं फिल्मों को अब एक हफ्ता होने का आ गया है। जिसके बाद इस शुक्रवार को नई फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। हॉलीवुड फिल्म सुपरमैन लगातार मालिक पर भारी पड़ती दिख रही है। बुधवार को भी सुपरमैन ने बॉक्स ऑफिस पर 2.15 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। जबकि मंगलवार को भी फिल्म की कमाई 3 करोड़ रही थी। इस तरह से छह दिनों में सुपरमैन अब तक कुल 33.75 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर चुकी है। वहीं, जुरासिक वर्ल्ड रीबर्थ ने अपने 13वें दिन बुधवार को 1.40 करोड़ रुपए की कमाई की। इससे पहले मंगलवार को फिल्म का कलेक्शन 1.71 करोड़ रुपए रहा था।

फिल्म फेस्टिवल में होगा होमबाउंड का प्रदर्शन

मुंबई। निर्माता करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म होमबाउंड को लेकर एक अहम जानकारी शेयर की है। जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा की फिल्म होमबाउंड को टोरंटो अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2025 में दिखाई जाएगी। फिल्म होमबाउंड 4 से 14 सितंबर तक टीआईएफएफ के गाला प्रेजेंटेशन में प्रदर्शित होगी। नीरज घायवान द्वारा निर्देशित इस फिल्म का विश्व प्रीमियर कान फिल्म महोत्सव 2025 में हो चुका है, जहां इसे खूब सराहना मिली थी। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म होमबाउंड का एक पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर में ईशान खट्टर और विशाल जेठवा नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी दो बचपन के दोस्तों, शोएब अली (ईशान खट्टर) और चंदन कुमार (विशाल जेठवा) के इर्द-गिर्द है, जो उत्तर भारत के एक गांव में रहते हैं।

रजनीकांत निभाएंगे स्मगलर का रोल

मुंबई। निर्देशक लोकेश कनगराज की फिल्म कुली के अब तक जो लुक सामने आए हैं, उनमें रजनीकांत के किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी हासिल नहीं होती है। लेकिन हाल ही में इस फिल्म की कहानी और रजनीकांत के किरदार से जुड़ी डिटेल्स लीक हुईं। लेटरबॉक्स्ड, फैंडेंगो नाम के कुछ प्लेटफॉर्म पर कुली की स्टोरी लाइन का जिक्र है। कुली में रजनीकांत के किरदार का नाम देवा है। वह एक स्मगलर का रोल निभा रहे हैं, जो सोने की घड़ियों की तस्करी करता है। देवा अपने गैंग को फिर से एक करना चाहता है। फिल्म के प्रमोशन मटीरियल में भी सोने की घड़ी और सोने का इस्तेमाल दिखाया गया है। देवा अपनी अतीत की गलतियों को सुधारने की कोशिश करेगा। जवानी में जहां वह बदला लेने पर जोर देता है, वहीं उम्रदराज होने पर अपनी गलतियों को सुधारने के लिए मोटिवेट होता है।

टीवी मसाला

इंटेलिजेंस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगे प्रतीक गांधी

मुंबई। 1970 के दशक की उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि पर आधारित नेटफ्लिक्स की आने वाली सीरीज 'सारे जहां से अच्छा' देशभक्ति, बलिदान और जासूसी की एक दिलचस्प कहानी लेकर आ रही है। इस काल्पनिक कहानी में प्रतीक गांधी एक सतर्क और अडिग खुफिया अधिकारी विष्णु शंकर की भूमिका निभा रहे हैं। यह सीरीज एक मिशन पर आधारित है, जिसमें काफी तनाव और सस्पेंस है। इसमें सनी हिंदुजा, सुहैल नय्यर, कृतिका कामरा, तिलोत्तमा शोम, रजत कपूर और अनुप सोनी जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। 13 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर आने वाली यह सीरीज गौरव शुक्ला द्वारा बनाई गई है और बॉम्बे फेबल्स ने प्रोड्यूस किया है, जबकि भावेश मंडालिया इसके क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं।।'सारे जहां से अच्छा' देश की खुफिया दुनिया की उस अनदेखी हकीकत को दर्शाता है, जहाँ महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाने में थोड़ी सी भी देरी देश के भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस सीरीज मे एक बेहद खतरनाक मिशन के तहत विष्णु को एक संभावित परमाणु संकट को टालने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इस मिशन को पूरा करने के लिए उसे कई मुश्किल और धोखेभरे रास्तों से होकर गुजरना होगा ताकि भारत अपने शत्रुओं से हमेशा एक कदम आगे रह सके। प्रतीक गांधी कहते हैं, 'सारे जहां से अच्छा में हमने एक ऐसी दुनिया बनाई है जो बेहद तेज, तनावपूर्ण और रोमांचक है। खुफिया अधिकारी विष्णु शंकर का किरदार निभाना, जो कर्तव्य और नैतिकता के बीच संतुलन बनाए रखता है, मेरे लिए अब तक के सबसे चुनौतीपूर्ण रोल्स में से एक रहा है।

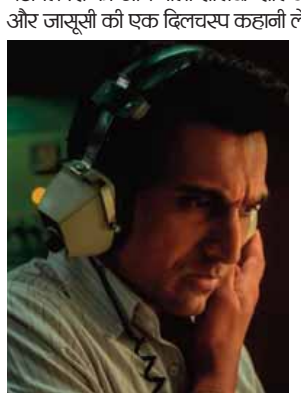

तारक मेहता का उल्टा चश्मा ने अनुपमा को पीछे छोड़ा...

नई दिल्ली। सास-बहू ड्रामा सीरियल के बीच कॉमेडी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। 27वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में भी यह कॉमेडी सीरियल टॉप पर जगह बनाने में कामयाब रहा है। पिछले दिनों सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा में कॉमेडी के साथ हॉरर का एंगल भी दर्शकों को देखने को मिला। इस हफ्ते इसकी टीआरपी 2.6 है। 27वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में सीरियल अनुपमा दूसरे नंबर पर आया है। पिछले हफ्ते यह सीरियल तीसरे नंबर पर था। हाल ही में इस सीरियल में लीप आया है। इसमें लीड कैरेक्टर अनुपमा अपने सपनों को पूरा करने के लिए मुंबई आ चुकी है। अनुपमा की इस हफ्ते की टीआरपी 2.0 है। सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है, तीसरे नंबर है। इस हफ्ते इसकी टीआरपी 2.0 रही है। चौथे नंबर पर उड़ने की आशा रहा है, इसकी टीआरपी 2.0 है।

50 करोड़ में बनी और बॉक्स ऑफिस पर कमाए 235.1 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। 2025 की पहले 6 महीने खत्म होते-होते, इस साल बॉक्स ऑफिस पर क्या कामयाब रहा और क्या फ्लॉप, इसकी लिस्ट सामने आने लगी। छावा और एल2: एम्पुरान ने बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा कायम रखा, जबकि थुडारुम और सितारे जमीन पर जैसी छोटी फिल्मों ने भी कुछ तारीफ पाई। हालांकि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की रिपोर्ट रिकॉर्ड तोड़ने वाली फिल्मों से भरी रहीं फिर भी एक छोटी, बिना सितारों वाली फिल्म ने, कम से कम मुनाफे के मामले में सबको पीछे छोड़ दिया।

2025 की भारत की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली फिल्म : तमिल की स्लीपर हिट टूरिस्ट फैमिली इस साल की अब तक की सबसे ज्यादा फायदा कमाने वाली भारतीय फिल्म है। सिर्फ 50 करोड़ के बजट में बनी अभिशन जीविंथ के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने दुनिया भर में 235.1 करोड़ से ज़्यादा की कमाई की, जिससे इसका मुनाफा अपने बजट से 1200% ज्यादा हो गया। टूरिस्ट फैमिली एक फैमिली बेस्ड कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें एम. शशिकुमार, सिमरन, मिथुन जय शंकर और कमलेश जगन लीड रोल में थे। 29 अप्रैल को रिलीज हुई इस फिल्म को क्रिटिक्स से शानदार रिव्यू मिले और फैन्स का खूब प्यार मिला। फिल्म ने अपने पहले हफ्ते में 23 करोड़ कमाए, लेकिन लोगों की जबरदस्त तारीफ के चलते दूसरे हफ्ते में इसने और बेहतर किया और 29 करोड़ और कमाए। पांच हफ्तों बाद फिल्म ने दुनिया भर में 90 करोड़ की कमाई के साथ अपना सफर खत्म किया। इसमें भारत में 62 करोड़ शामिल थे।

टूरिस्ट फैमिली ने बॉलीवुड की बड़ी फिल्मों को कैसे पछाड़ा : छावा इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म है, जिसने दुनिया भर में 808 करोड़ कमाए। लेकिन, इसके 90 करोड़ के बजट का मतलब है कि इसका प्रॉफिट यानी मुनाफा सिर्फ 800% है। यह एक इंप्रेसिव आंकड़ा हैस लेकिन टूरिस्ट फैमिली की कमाई से कम है। हाउसफुल 5 अपने ज्यादा बजट के कारण दुनिया भर में 300 करोड़ की कमाई करने के बावजूद मुनाफा नहीं कमा पाई, जैसा कि सलमान खान की सिकंदर के साथ हुआ था। आमिर खान की फिल्म 'सितारे जमीन पर' ने अब तक 300% का मुनाफा कमाया है। 65 करोड़ के बजट में 260 करोड़ की कमाई के साथ।

बॉलीवुड की वो टैलेंटेड एक्ट्रेस, जिसे हर कोई बनाना चाहता था अपने घर की बहू

नई दिल्ली। एक्टिंग की दुनिया की वो सादगी के लिए पहचानी जाने वाली एक्ट्रेस, जो अपने किरदारों में इतना खो जाती है कि दर्शकों को लगता है कि वे असल जिंदगी में भी वैसा ही हैं। बदले में फैन्स भी उनसे पर्सनल लेवल पर जुड़ने से खुद को रोक नहीं पाते। 1 रोल के बाद तो हर कोई उन्हें अपने घर की बहू बनाना चाहता था। हम जिस जानी एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं, बल्कि शाहरुख खान, सलमान खान और काजोल जैसे कलाकारों के साथ काम कर चुकी हैं। वह डिजिटल दुनिया में सबसे पॉपुलर चेहरों में से एक है। वो कोई और नहीं, बल्कि रेणुका शाहणे हैं, जो सलमान से पहले शाहरुख खान के साथ नजर आ चुकी हैं।

हम आपके हैं कौन में जीत लिया था दिल : साल 1989 के लोकप्रिय टीवी शो सर्कस में शाहरुख खान के साथ रेणुका ने काम किया था। अभिनेत्री रेणुका शहाणे ने 1994 की फिल्म हम आपके हैं कौन में सलमान खान की भाभी बनकर लोगों का दिल जीत लिया था। बहुत कम लोग याद करते हैं कि उन्होंने शाहरुख खान के साथ उनके शुरुआती टीवी दिनों में काम किया था। शाहरुख और रेणुका ने 1989 के लोकप्रिय टीवी शो सर्कस में एक साथ काम किया था।

भाभी के रोल होने लगे थे ऑफर

साल 1994 में आई सूरज बड़जात्या की फिल्म 'हम आपके हैं कौन' में काम करने के बाद उनकी पॉपुलैरिटी आसमान छू गई, जिससे उन्होंने बॉलीवुड में भी कदम रखा। कपिल शर्मा शो में पहली बार उन्होंने अपनी पॉपुलैरिटी की पीक को लेकर एक खुलासा किया था। रेणुका ने बताया फिल्म की रिलीज के बाद हर कोई चाहता था कि उनका भाई उनसे शादी कर ले। इतना ही नहीं, इस फिल्म के बाद उन्हें भाभी के रोल ऑफर होने लगे थे। खास और बड़ी बात तो ये थी कि फिल्म के लिए ऑफर मिलने लगे? उन्होंने तुरंत जवाब दिया, 'सब अपने भाई की शादी मुझसे करवाना चाह रहे थे'।

हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में भी किया काम

राज कपूर से मिले नेगेटिव फीडबैक के बाद भी जारी रखा संघर्ष

नई दिल्ली। *आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में जन्मी जरीना वहाब ने एक्टिंग में कॅरियर बनाने के लिए सबसे पहले फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट इंडिया, पुणे से ट्रेनिंग ली। जरीना ने अपने पूरे एक्टिंग करियर में हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में भी काम किया। जरीना की मातृभाषा तो तेलुगु ही है। साथ ही वह उर्दू और इंग्लिश जैसी भाषाओं का ज्ञान भी रखती हैं।*

'इश्क, इश्क, इश्क' से मिली पहचान

एक्टिंग की ट्रेनिंग लेने के बाद जरीना वहाब ने फिल्मों में रोल पाने के लिए प्रयास शुरू किया। कहा जाता है कि शुरुआत में जरीना वहाब के लुक को देखकर राज कपूर ने उन्हें नेगेटिव फीडबैक दिया। मगर जरीना ने हार नहीं मानी। खुद पर काम किया, अपने लुक पर काम किया। वह बॉलीवुड पार्टियों, इवेंट में जाती थीं, इस दौरान उन्हें नोटिस किया गया। जरीना को भी एक बार पता चला कि देव आनंद अपनी फिल्म 'इश्क, इश्क, इश्क' के लिए नए चेहरे की तलाश कर रहे हैं। यह जानकर वह महबूब स्टूडियो पहुंचीं और ऑडिशन दिया। फिल्म में जरीना वहाब को जीनत अमान की बहन का रोल मिला गया। भले ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं किया हो, मगर जरीना के अभिनय को पहचान मिली।

इन फिल्मों में निभाए उम्दा किरदार

जरीना वहाब को फिल्म चित्तचोर (1976) में मध्यवर्गीय परिवार की लड़की का रोल करने का मौका था। इसके अलावा वह फिल्म अगर, 'जज्बात, सावन को आने दो, रईसज्यादा और घरौंदा जैसी फिल्मों का हिस्सा जरीना बनीं। फिल्म घरौंदा के लिए जरीना को 1977 में फिल्मफेयर अवॉर्ड में बेस्ट एक्ट्रेस का नॉमिनेशन भी मिला। आगे चलकर हिंदी के अलावा जरीना ने तमिल, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में भी एक्टिंग की। वह फिल्म माय नेम इज खान में शाहरुख खान के बचपन के किरदार की मां का रोल करती दिखीं। इस किरदार में उन्हें खूब सराहा गया।

बेटे ने अभिनय की विरासत को आगे बढ़ाया

जरीना वहाब और आदित्य पंचोली का एक बेटा सूरज और एक बेटी सना है। सूरज पंचोली ने अपनी मां जरीना वहाब और पिता आदित्य पंचोली की तरह अभिनय की विरासत को आगे बढ़ाया है। हाल ही में सूरज पंचोली एक फिल्म केसरी वीर में दिखे। वहीं. जरीना वहाब भी फिल्म जाट में दिखी थीं। जरीना फिल्मों के अलावा वेब सीरीज, टीवी सीरियल्स में भी अभिनय करती हैं।

मुश्किल वक्त में पति आदित्य पंचोली के साथ खड़ी रहीं

साल 1986 में जरीना वहाब ने जाने-माने बॉलीवुड एक्टर आदित्य पंचोली से शादी कर ली थी। आदित्य पंचोली और जरीना वहाब ने लव मैरीज की थी। मगर इनकी शादी-शुदा जिंदगी में भी दिक्कतें आईं। आदित्य पंचोली का नाम कई बार कुछ एक्ट्रेसेस से जुड़ा। इन बातों की कभी भी जरीना ने परवाह की है। जरीना हमेशा ही आदित्य पंचोली के साथ खड़ी नजर आईं।

हाथ में चाय का कप, गोद में शेर का बच्चा इस रेस्टोरेंट में मिलेगा गजब का रोमांच

बीजिंग। सोचिए आप किसी रेस्टोरेंट में चाय पीने जाएं और आपके सामने सिर्फ खाना ही नहीं, बल्कि एक शेर का छोटा बच्चा भी हो, जिसे आप गोद में उठाकर दुलार सकते हैं! चीन में ऐसा हो रहा है और यह खबर इन दिनों इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है। यह अजीबो-गरीब अनुभव मिल रहा है चीन के शांक्सी प्रांत के ताइयुआन शहर में बने एक रेस्टोरेंट में, जिसका नाम है वानहुई रेस्टोरेंट। यहां खाना खाने आए लोग न सिर्फ शेर के बच्चों को गोद में लेते हैं, बल्कि उनके साथ फोटो भी खिंचवाते हैं। सोशल मीडिया पर इस रेस्टोरेंट के वीडियो और तस्वीरें खूब शेयर हो रही हैं।

खाने के साथ जानवरों का अनुभव बेच रहा है रेस्टोरेंट

यह रेस्टोरेंट जून महीने में शुरू हुआ था और अब हर दिन सिर्फ 20 लोगों को टिकट बेचता है। एक टिकट की कीमत करीब 1,078 युआन यानी 12,500 रुपये है। इस टिकट में चार कोर्स वाला एक खास मील (खाना) मिलता है और साथ में शेर के बच्चे, लामा, कछुए और हिरन जैसे जानवरों के साथ वक्त बिताने का मौका भी। रेस्टोरेंट के मालिकों ने इसे एक नया टीटाइम एक्सपीरियंस बताया है, जिसमें लोग आराम से बैठकर जानवरों के साथ समय बिता सकते हैं, उन्हें गोद में लेकर तस्वीरें ले सकते हैं और एक खास माहौल का मजा ले सकते हैं।

जानवरों के साथ ऐसा बर्ताव ठीक है?

लेकिन, इस अनोखे रेस्टोरेंट की जितनी तारीफ हो रही है, उससे कहीं ज्यादा आलोचना भी हो रही है। कई लोगों का कहना है कि जानवरों को इस तरह इंसानों की मनोरंजन की चीज बनाना ठीक नहीं है। सोशल मीडिया पर ज्यादातर लोग नाराज हैं और कह रहे हैं कि यह जानवरों की आजादी और सेहत के लिए बहुत खतरनाक हो सकता है। कुछ लोगों ने सवाल उठाए कि इतने छोटे शेर के बच्चों को रोज इतने लोगों के बीच घुमाना क्या उनके लिए सुरक्षित है? उन्हें किस हाल में रखा जा रहा है? क्या उन्हें ठीक से खाना, नींद और देखभाल मिल रही है?

सिर्फ अमीरों का खेल, आम लोगों में नाराजगी : वीबो और वीचैट जैसे प्लेटफॉर्म पर कई यूजर्स ने इस सर्विस को खतरनाक और अमानवीय बताया. एक यूजर ने लिखा, ये सब अमीरों के खेलने की चीजें हैं। आम लोग तो ठीक से चाय भी नहीं पी सकते और ये लोग शेरों को गोद में लिए बैठे हैं।

पहले भी हो चुका है ऐसा मामला

चीन में जानवरों को लेकर ऐसी घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। कुछ हफ्ते पहले चोंगकिंग शहर के एक होटल में रेड पांडा वेक-अप सर्विस नाम की स्कीम शुरू की गई थी। इस स्कीम में होटल के मेहमानों को सुबह-सुबह रेड पांडा आकर उठाते थे। बाद में इस होटल के खिलाफ जांच शुरू हुई, क्योंकि जानवरों को इस तरह इस्तेमाल करना गलत माना गया।

रोचक खबरें

एक ही देश में ब्रेकफास्ट और डिनर साथ-साथ हर आदमी के घड़ी में दिखता है अलग समय

मास्को। दुनिया भर के तमाम देशों में कुछ अजीब है तो कहीं ऐसी खूबसूरती है कि उससे नजरें ही ना हटें। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि एक देश ऐसा भी है जहां एक ही समय पर आधे हिस्से में दिन और आधा हिस्सा रात की काली परछाई में डूबा रहता है। कितना अजीब लगता होगा, जब आधे लोग सोकर काम पर जाते होंगे तो आधे सोने की तैयारी में जुटते होंगे। दुनिया भर में कुल 195 देश हैं जो अलग-अलग टाइम जोन को फॉलो करते हैं, जिस कारण से हर देशों में घड़ी का समय एक जैसा नहीं होता। लेकिन, आज हम ऐसे देश की बात करेंगे जहां 11 टाम जोन है। ये सुनकर शायद आप हंस पड़ें कि, इस देश के लोग एक ही समय पर ब्रेकफास्ट और डिनर दोनों करते हैं। हम बात कर रहे हैं सबसे ताकतवर देशों में से एक रूस की।

एक साथ दिन-रात कैसे : रशिया या रूस दुनिया का इकलौता देश है जहां सुबह और रात दोनों एक साथ होती है। आइए जानते हैं कि ऐसा कैसे संभव हो सकता है? इससे पहले आपको बता दें कि यह सिलसिला लगभग 76 दिनों तक चलता है। इसी कारण से रूस को मध्यरात्रि सूर्य का देश कहा जाता है। यहां के एक शहर मरमंस्क में गर्मियां लंबी होती हैं। इस दौरान सूरज इतना तेज चमकता है कि लोग दिन और रात में फर्क करना ही भूल जाते हैं।

कितने घंटे का फर्क : 11 टाइम जोन होने के कारण जब रूस के पूर्व में दोपहर के 1 बज रहे होते हैं तो इसके पश्चिम में पिछली रात के करीब 12 बज रहे होते हैं। इसके चलते एक ही देश के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोग एक ही समय पर दिन और रात का अनुभव करते हैं। बहुत कम ही लोग जानते होंगे कि रूस को फादर ऑफ वोदका कहा जाता है, क्योंकि इसका इस्तेमाल करने वाला ये दुनिया का पहला देश था। इसके अलावा इस देश में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या ज्यादा है।

25 किलो वजनी उल्कापिंड की हुई रिकॉर्ड तोड़ नीलामी, 4.3 मिलियन डॉलर में बिका

वॉशिंगटन। लाल ग्रह से धरती पर गिरे इस पत्थर की बोली नीलामी में उम्मीद से कहीं ज्यादा लगी। इस खुरदुरे पत्थर का आधिकारिक नाम एनडब्ल्यूए 16788 है। यह उत्तर-पश्चिम अफ्रीका में बरामद हुआ था, जिस कारण से इसके नाम के आगे एनडब्ल्यूए लगा है। हालांकि, इस पत्थर की नीलामी में भीड़ उतनी नहीं दिखी, जितने का अंदाजा लगाया जा रहा था।

कौन है पत्थर का मालिक?

अब सवाल आता है कि 25 किलो के इस टुकड़े का मालिक कौन है? ऐसी संभावना है कि हम और आप कभी जान ही नहीं पाएंगे कि इस टुकड़े को खरीदा किसने। यह खरीदने वाले पर निर्भर करता है कि वह अपनी पहचान सार्वजनिक करना चाहता है या नहीं। कैसंड्रा हटन का कहना है कि, कई सारे लोग गुमनाम रहना ही पसंद करते हैं। कैसंड्रा सोथबीज में विज्ञान और प्राकृतिक इतिहास की उपाध्यक्ष हैं।

अनुमान से था ज्यादा

नीलामी शुरू होने से पहले इसकी कीमत 2 मिलियन डॉलर तय की गई थी, लेकिन लाइव बोली के दौरान यह थोड़ी धीमी रही। लेकिन, फिर भी लाल ग्रह के इस पत्थर 4.3 मिलियन डॉलर में बिका जो पहले लगाए गए 4 मिलियन के अधिकतम अनुमान से ज्यादा था। बाकी लगे एक्स्ट्रा शुल्क को मिलाकर इसकी कीमत 5.3 मिलियन डॉलर हो जाती है। बता दें कि एनडब्ल्यूए 16788 सिर्फ आकार के मामले में ही नहीं, बल्कि खूबसूरती के मामले में भी मंगल के दूसरे उल्कापिंडों से अलग है, जो मंगल की सतह जैसा दिखता है।

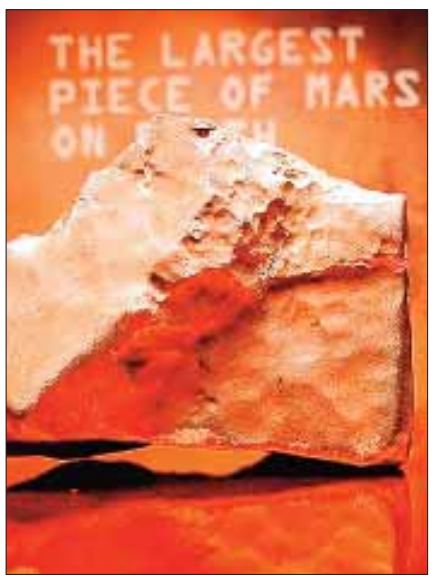

नीलामी में क्या-क्या बिका?

16 जुलाई को हुई इस नीलामी में सिर्फ मंगल ग्रह का ये पत्थर ही नहीं, बल्कि कई सारी दुर्लभ चीजों की नीलामी भारी कीमतों में हुई। इस नीलामी का दूसरा सबसे बड़ा आकर्षण रहा सेराटोसॉरस का कंकाल जो 2.6 करोड़ डॉलर में बिका। इसके अलावा 1.4 करोड़ डॉलर में 6.7 करोड़ साल पुराना टायरानोसॉरस रेक्स का पैर, मेगालोडन शार्क का दांत 18000 डॉलर, निएंडरथल औजार का एक सेट 45 हजार डॉलर में बिका।

कैसंड्रा ने क्या कहा?

सोथबीज की कैसंड्रा ने बताया कि, बोली लगाने वालों से ही हमें पता चलता है कि चीजों की कीमत क्या है। बाकी के सारे अनुमान लोगों को सिर्फ संकेत देने के लिए होते हैं। इसके आगे उन्होंने कहा, पिछली गर्मियों में मैंने स्टेगोसॉरस एपेक्स बेचा था। स्टेगोसॉरस के लिए अंदाजा 4 से 6 मिलियन डॉलर का था, लेकिन इसकी बोली 44.6 मिलियन डॉलर में बिका था।

सांप को देखते ही पकड़कर जिंदा चबा गया युवक, देखते ही चीखने लगी मां

लखनऊ। दुनिया में कई प्रजाति के सांप पाए जाते हैं। इनमें कई बेहद जहरीले और खतरनाक होते हैं। अगर यह किसी को काट लें, तो बचना बेहद मुश्किल होता है। यही वजह को सांप को देखकर बड़े-बड़े लोगों की हालत खराब हो जाती है। लेकिन, इन दिनों एक ऐसा मामला है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। यह पूरा मामला उत्तर प्रदेश के बांदा का है। यहां पर एक युवक ने कुछ ऐसा किया है, जिसे आनकर आपकी रूह कांप जाएगी। बांदा के बबेरू थाना क्षेत्र हरदौली गांव में 35 वर्षीय युवक नशे में जिंदा सांप को मुंह में डालकर चबा डाला। उसने सांप के कई टुकड़े कर उसे निगल भी गया। यह देखकर परिजनों के होश उड़ गए। युवक का नाम अशोक है। उसकी मां ने यह चीख-पुकार मचाई और किसी तरह बेटे के मुंह से सांप को बाहर निकाला। लेकिन, तब तक वह दो-तीन टुकड़े निगल चुका था। इसके बाद आनन-फानन में परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर। जहां डॉक्टरों की टीम उसका इलाज कर रही है। परिजनों ने बताया कि अशोक शराब के नशे में घर के पास घूम रहा था, तभी उसे एक जिंदा सांप दिखा। नशे की हालत में उसने सांप को पकड़ लिया और उसे सीधे मुंह में डालकर दांतों से काटने लगा। यह भयावह नजारा देखकर आसपास के लोग हैरान रह गए।

इंसान की पलकों पर रहते हैं बेहद छोटे जीव, रात में बढ़ाते हैं अपनी आबादी

न्यूयार्क। आपने किलनी या जुएं जैसे जीवों को देखा होगा। किलनी जहां कुत्तों के शरीर पर पड़ी रहती है, वहीं जुएं इंसान के सिर पर मौजूद होती हैं। ये दूसरे जीवों पर रहकर जीवन यापन करते हैं और खाना लेते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि हमारे शरीर पर सिर्फ जुएं ही नहीं, कुछ ऐसे भी जीव रहते हैं जो नजर नहीं आते। ये जीव इतने छोटे होते हैं कि इन्हें खुली आंखों से देखना नामुमकिन होता है। इनमें से एक जीव हमारी आंखों की पलकों पर रहता है और वहीं अपनी आबादी भी बढ़ाता है। क्या आपको बार-बार आंखों में जलन, खुजली या सूखापन महसूस होता है? अगर हां, तो हो सकता है इसका कारण वह न हो जो आप सोच रहे हैं। अमेरिका में 2 करोड़ से अधिक लोग 'ड्राइ आई डिजीज' यानी आंखों के सूखने की समस्या से पीड़ित हैं। लेकिन, विशेषज्ञों के मुताबिक इस समस्या के पीछे एक अदृश्य और डरावना कारण भी हो सकता है- आपकी पलकों और भौहों में छिपे हुए छोटे-छोटे कीटाणु, जिन्हें आईलैश माइट्स या डेमोडेक्स कहा जाता है।

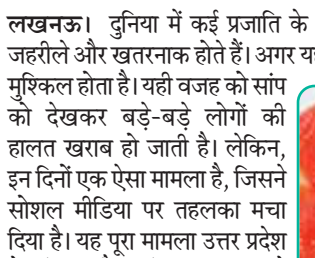

हर इंसान की त्वचा में होते हैं मौजूद : डॉ. एश्ले ब्रिसेट, न्यूयॉर्क की एक आंखों की विशेषज्ञ और सर्जन, बताती हैं कि ये आठ पैरों वाले सूक्ष्म जीव आमतौर पर हर इंसान की त्वचा में मौजूद होते हैं और ये हमारे बालों की जड़ों व ऑयल ग्लैंड्स में रहते हैं। ये कीटाणु हमारी पलकों पर मौजूद बैक्टीरिया को खाते हैं और रात के समय हमारे चेहरे पर ही प्रजनन करते हैं। ये कीटाणु आमतौर पर नुकसान नहीं पहुंचाते, लेकिन जब इनकी संख्या बढ़ जाती है, तो ये आंखों में सूजन, लालपन, खुजली, स्टाई (आंख पर फुंसी) और पलकों से बाल झड़ने जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

भारत में हुई धरती की सबसे अजीबो-गरीब घटना

लद्दाख के आसमान में दिखा नॉर्दर्न लाइट्स जैसा नजारा

नई दिल्ली। पिछले साल मई के महीने में लद्दाख के ऊपर दूर हिमालय के आसमान में एक बड़ा अनोखा खगोलीय नजारा देखा गया था जिसे ऑरोरा कहते हैं। आमतौर पर यह ध्रुवों पर ही दिखाई देते हैं, लेकिन लद्दाख में इनका देखा जाना काफी हैरान करने वाला है। इस घटना के एक साल बितने के बाद भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान के खगोलविदों ने उन घटनाओं का खुलासा किया है जिसकी वजह से ये दुर्लभ नजारा देखने को मिला था। दरअसल, सूरज से लगातार 6 बड़े कोरोनल मास इजेक्शन की वजह से रिकॉर्ड तोड़ सौर तूफान आया था। ये बिजली ग्रिड को भी बर्बाद कर सकते हैं। लेकिन, 10 मई 2024 को हुई घटना पिछले 2 दशकों में देखी गई किसी भी घटना से बिल्कुल अलग थी।

पिछले 2 दशकों में देखी गई किसी भी घटना से बिल्कुल अलग थी

कैसे मिला डाटा?

आईआईए के फैकल्टी मेंबर डॉ.वागीश मिश्रा ने बताया कि आपस में जुड़े 6 सीएमई का ये अनोखा क्रम था जो सोलर फ्लेयर्स से जुड़ा था। नासा और ईएसए द्वारा चलाए जा रहे स्पेस ऑब्जर्वेटरी से मिले डाटा का इस्तेमाल कर के लद्दाख के हामले में मौजूद आईआईए की भारतीय वैज्ञानिकों ने खाय मॉडल बनाया। इस पूरे अध्ययन को एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स जर्नल में छापा गया है।

आदित्य एल-1 मिशन

अध्ययन की सह लेखिका अंजलि अग्रवाल ने कहा, यह काम अंतरिक्ष में मौसमों के पूर्वानुमान की शुरुआत है। भारत का आदित्य एल-1 मिशन शुरू हो चुका है। टीम को उम्मीद है कि वह सूरज के पास के डाटा धरती के नजदीकी जांच का इस्तेमाल करके अपने मॉडल को और बेहतर बनाएंगे।

वैज्ञानिक क्यों थे हैरान?

मुख्य लेखक और पीएचडी शोधकर्ता सौम्यरंजन खुंटिया ने बताया, शुरुआत में सीएमई ने भारी गर्मी छोड़ी, लेकिन आगे बढ़ते-बढ़ते उन्होंने गर्मी को सोखना और बनाए रखना शुरू कर दिया। आपको बता दें कि धरती के करीब नासा के विंड अंतरिक्ष यान डिवाइस ने अजीब चीज देखी थी। आखिरी सौर बादल में जुड़वां चुंबकीय संरचनाएं देखे थे, जिसे दोहरी प्रवाह रस्सियां कहते हैं। इन्होंने ऐसे एक दूसरे पर असर डाला जिससे लद्दाख में खूबसूरत उत्तरी रोशनी या ऑरोरा बनी।

कहने को जंगली पेड़, लेकिन इसका तना भी नहीं बचता

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एक ऐसा जंगली पेड़ भी पाया जाता है, जिसे लोग बड़े चाव से खाते हैं। दरअसल, जिले के जंगलों में खजूरी या खजरी नाम के पेड़ पाए जाते हैं। बरसात के मौसम में इसमें फल भी पकते हैं। हालांकि, इसमें कांटे भी होते हैं। लेकिन, फिर भी यहां इस पेड़ के तने को फल के तौर पर खाया जाता है। साथ ही इसकी सब्जी भी बनाई जाती है, जो काफी स्वादिष्ट होती है। ग्रामीण बताते हैं कि यहां पर खजूरी के पेड़ खूब पाए जाते हैं, जिन्हें क्षेत्रीय भाषा में खजरी के नाम से जाना जाता है। बरसात के मौसम में इसमें फल भी पकने शुरू हो जाते हैं, जिसे लोग खूब पसंद करते हैं। इस कांटेदार पेड़ का फल ही नहीं खाया जाता है, बल्कि इसका तना भी फल के तौर पर खाया जाता है। वैसे तो पूरे साल आपको छतरपुर जिले में खजूरी के पेड़ दिख जाएंगे, लेकिन बरसात के मौसम में इस पेड़ की मांग ज्यादा हो जाती है। क्योंकि, इस मौसम में छोटी-छोटी खजूरी के पेड़ ज्यादा देखने को मिल जाते हैं और इन्हीं छोटी खजूरी के तने को फल के तौर पर खाया जाता है। लोग इसे देखते ही कुल्हाड़ी लेकर टूट पड़ते हैं।

तने को निकालना काफी मेहनत का काम : ग्रामीण बताते हैं कि खजूरी पेड़ के तने को निकालने में बहुत मेहनत लगती है। पहले इसके कांटों को धीरे-धीरे छांटना होता है और फिर इसके तने को छांटा जाता है। तब जाकर खाने वाला हिस्सा निकलता है। कड़ी मेहनत और रिस्क के बाद इस पेड़ का खाने वाला हिस्सा मिल पाता है।

2012 में शुरू की गई थी और आज भी यह कंपनी की सबसे लोकप्रिय सेवाओं में से है एक

यहां किराए पर मिलती हैं दादी-नानी, 1 घंटे के लिए लोग देते हैं 1800 रुपए

टोक्यो। आजकल संयुक्त परिवार घटने लगे हैं। लोग अपने दादा-दादी या नाना-नानी से दूर होते जा रहे हैं। इस वजह से वो अकेलेपन की जिंदगी बिता रहे हैं। बड़े-बुजुर्गों के साथ से घर तो भरा ही रहता है, साथ ही इंसान कई अलग-अलग प्रकार के अनुभवों को भी सीख लेता है जो उसकी जिंदगी के लिए बेहद जरूरी होते हैं। जापान में जो लोग नहीं सीख पाते, उनके लिए एक कंपनी ने खास सेवा शुरू की है। यहां पर अब लोग दादी-नानी को किराये पर ले सकते हैं। क्या आपने कभी चाहा है कि आपकी परेशानियों को कोई समझदार व्यक्ति सुने, आपको सलाह दे या आपके लिए एक स्वादिष्ट घर का बना खाना तैयार करे? जापान में अब यह मुमकिन है। जापान की क्लायंट सर्विसेज नाम की एक कंपनी 'ठीक है दादी' नाम की एक अनूठी सेवा प्रदान करती है, जिसमें 60 से 94 वर्ष की उम्र की महिलाओं को किराए पर लिया जा सकता है। 'ठीक है दादी' सेवा 2012 में शुरू की गई थी और आज भी यह कंपनी की सबसे लोकप्रिय सेवाओं में से एक है।

जीवन की ठंडी छांव और अपनापन भी लाती हैं साथ

कंपनी के अनुसार, ये दादियां न केवल उम्र में बड़ी हैं, बल्कि अनुभव में भी अमूल्य हैं। उनके पास घर के काम, बच्चों की देखभाल, पारंपरिक खाना बनाने और जीवन की समझ जैसी कई योग्यताएं हैं। वे सिर्फ सेवा देने नहीं आतीं, बल्कि जीवन की ठंडी छांव और अपनापन भी साथ लाती हैं। ग्राहकों को सिर्फ अपनी जरूरतें बतानी होती हैं, जैसे कि किसी को खाना बनाना सिखाना है, किसी को अकेलापन महसूस हो रहा है या किसी भावनात्मक समस्या में मार्गदर्शन चाहिए और कंपनी उपयुक्त दादी को उनके पास भेज देती है।

अजीबोगरीब ढंग से इस्तेमाल कर रहे ग्राहक

कुछ ग्राहकों ने इस सेवा का उपयोग असामान्य तरीकों से किया है। एक व्यक्ति ने बताया, 'मैं अपने बॉयफ्रेंड से ब्रेकअप करना चाहती थी, लेकिन अकेले हिम्मत नहीं हो रही थी, इसलिए मैंने एक दादी को साथ चलने के लिए बुलाया।' वहीं, एक अन्य ने कहा, मेरी शादी में रिश्तेदार कम थे, तो मैंने एक दादी को परिवार की सदस्य के रूप में आमंत्रित किया। 'ठीक हे दादी' सेवा में शामिल दादियां सिर्फ खाना बनाना या घर साफ़ करना ही नहीं जानतीं, कई तो बेहतरीन सलाहकार भी हैं। जीवन के अनुभवों से सीख कर, वे आज के युवा को रिश्तों, कॅरियर या मानसिक तनाव से निपटने की सलाह देती हैं। कई दादियां बेहतरीन हैंडराइटिंग में भी माहिर हैं, जो उन्हें पारंपरिक जापानी संस्कृतियों के समारोहों में विशेष बनाती हैं।